POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A-2 (H), Paper-4

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur
Samastipur

कार्यपालिका के कार्य

वैसे तो कार्यपालिका का काम विधायिका द्वारा बनाए गए कानूनों को लागू करना है। लेकिन कार्यपालिका का कार्यक्षेत्र धीरे-धीरे काफी विस्तृत हो रहा है। आज राज्य का स्वरूप कल्याणकारी होने के कारण उसका कार्यक्षेत्र काफी विस्तृत हुआ है जिससे कार्यपालिका के कार्यों में भी वृद्धि हुई है।

कार्यपालिका के प्रमुख कार्य इस प्रकार हैं-

(1) प्रशासकीय कार्य -

कार्यपालिका का प्रमुख कार्य प्रशासन करना एवं देश में आंतरिक शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखना है।

(2) कूटनीतिक कार्य -

विदेशों के साथ उचित सम्बंध स्थापित करना कार्यपालिका का कूटनीतिक कार्य है। इसके लिए वह विदेशों में अपने दूतावास स्थापित करती है एवं राजदूत की नियुक्ति करती है एवं अन्य देशों से आए हुए राजदूतों का स्वागत करती है।

Scanned with CamScanner

③ सैनिक कार्य :-

विदेशी आक्रमण से देश की रक्षा करना कार्यपालिका का दायित्व है। इसके लिए वह स्थल, जल, वायु सेना का संगठन करती है।

④ विधि-निर्माण संबंधी कार्य :-

कार्यपालिका किसी न किसी रूप में विधि निर्माण में भी अवश्य भाग लेती है। कई देशों में कार्यपालिका को संसद की बैठक बुलाने, स्थगित करने एवं निम्न सदन को भंग करने का अधिकार प्राप्त है। साधारणतः सभी प्रकार के विधेयकों का प्रारूप कार्यपालिका ही तैयार करती है। संसद द्वारा पारित विधेयक तब तक कानून नहीं बन सकता जब तक कार्यपालिका का प्रधान अपनी स्वीकृति न दे दे।

⑤ न्यायिक कार्य :-

कार्यपालिका के प्रधान को न्यायाधीशों की नियुक्ति करने का अधिकार प्राप्त है। अपराधियों को क्षमादान देने, दण्ड को कम करने का भी अधिकार है।

⑥ वित्तीय कार्य :-

कार्यपालिका प्रत्येक विभाग के आय-व्यय का निरीक्षण करती है और उसपर नियन्त्रण रखती है।

Jhuma Ara
Asst Professor

Scanned with CamScanner